## धम विभाग

## दिनांक 20 नवम्बर, 1987

सं भो वि | एफडी | 141-87 | 46774. -- चूँकि हरियाणा को राज्यपाल की राय है कि मैं नेवर कार्बन एक सैरामिक्स प्रा० लि , प्लाट नं ० 175, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रीमक महा सचिव नेवर कार्बन एक सैरामिक्स प्रा० लि । सैरामिक्स प्रा० लि । सैरामिक्स एफड रिफोनट्रीज वर्करण यूनियन, वी:-62, इन्दरा नगर सैक्टर 7, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद विश्वित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि राग्रात हरियामा इन विवाद को न्यायनिर्मय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझने हैं;

दिनिते, प्रत, पौदोगिक विवाद प्रविनियम, 1947, की घारा 10 की उनवारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्ति में का प्रयोग करने हुने हिरियाम के राज्यमान इसके द्वारा उत्तर प्रधिनियम की घारा 7 क के प्रधीन गठित प्रौदोगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले थी कि खन्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादवस्य मामला/मामले हैं प्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट छ: मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है:—

- (1) ज्या संस्था का प्रत्येक श्रमिक वर्ष में एक ढैरीकाट की वर्दी भीर एक जोड़ी जूता केने का हकदार है? यदि हां, तो किस विवरण में ?
- (2) क्या संस्था का प्रत्येक श्रमिक प्रति मास दो किलो साबृत तथा पांच किलोग्राम गुड़ लेने का क्षकदार है? यहि हो, तो किस विवरण में ?

मीनाक्षी मानन्द चौघरी,

भायुक्त एवं सिवन, हरियाणी सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग ।

## दितांक 20 तबम्बर, 1987

सं घो वि | एफडी | 92-87 | 46786. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं घोनीस इम्बस्ट्रीज प्राव् लिं , 58-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया, फरीवाबाद, के श्रीमक श्री तापेश्वर सिंह, पुल श्री कृंजा सिंह, माफ्त श्री प्रदीप शर्मी, एडवोकेट, निमानहट, 39, एन. एच. 5, निकट पुलिस स्टेणन एन. ग्राई. टी. फरीवाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद निक्ति मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूं कि द्वरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं:

इसलिये, प्रव, प्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हुरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा छवत प्रधितियम की धारा 7 क के प्रधीन गठिए प्रौद्योगिक प्रधिकरण, हुरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धित मामले जो कि उवत प्रबन्धकों तथा अमिकों के बीच या तो विवादणस्त मामला/मामले हैं सथवा विवाद से स्मंगत या सम्बन्धित मामला/मालले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री तापेश्वर सिंह की सेवाध्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि । एफडो / 82-87 / 467 93 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं शोनील इण्डस्ट्रीज प्रा० लिं ०, 58 ए, इण्डस्ट्रीय र एरिय', फरी शवंद, के श्रामिक श्री गोपात सिंह, पुत्र श्री निरोती लग्ल, मार्फत श्री प्रवीप शर्मी एक दोकेंट, निजानहर, 39, एर. एव. 5, निकट पुतित स्टेगत एत. अर्दि. टी. फरीद बंद तथा प्रवन्त्र कों के मध्य इसमें इसके बाद विकासान के सम्बन्ध में कोई प्रौर्थोगिक विवाद हैं: भीर चृंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, भीदोगिक विवाद मधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उकत अधिनयम की धारा 7 क के ग्रधीन गटित प्रीटोगिक, प्रधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या ने विवादग्रस्त मामला/मामले हैं प्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बस्थित मामला/मामले हैं प्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बस्थित मामला/मामले हैं न्यायनियंत्र एवं वंचाट तीन माम में देने हेतु निद्धिक करते हैं।

ार ंो गोर ते सिंह की सेराघों का समापन स्वापोचित तथा छोत ं ? यदि नहीं, तो वह हिस सहत का हकदार है?

## दिनांक 26 नवस्वर, 1987

र हो। है कि मैं अर्थीत पंचरी में इस स्थापा के राज्यपाल की सार्थ में अर्थीत पंचरी में इस से हैं कि मैं अर्थीत पंचरी में इस के कि को स्वाप्त की स्वाप्त की स्वाप्त में इस के स्वाप्त की साम की स्वाप्त की साम की स्वाप्त की साम की साम

भीत **पू**रि हरियाणा के सामामान विश्व को स्थाय<mark>निर्णय</mark> हेतु निविद्य तसना अञ्चलित सहनते हैं .

्यं भि, तय, बौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, भी बारा 10 भी उपकार (१) के स्वर्ण (१) एक (

कर अहे **राहृतास सिंह** को नेवाओं का समापन स्यायोचित तथा ठोक है ? यदि नहीं, तो वह किस सहुत हरुदार है ?

ा संवर्षकां का साम है कि सार राहत हार स्ट्रींक हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि सार राहत हार स्ट्रींक राहार हा अस्पाल की राय है कि सार राहत हार स्ट्रींक राहार हा अस्पाल स्थान स्वाद स्थान कार साम स्थान स्

प्रीर च्कि **हरियाणा के राज्यपाल विवाद** को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बांछतीय समझे हैं ,

इसलियं, ग्रब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्य (ग) हास प्रवान का गर्ड पावनयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी श्रिधिन्तरण सुरू 9641-1-श्रपन १९ ३८३१३, १०० ६ प्रमूचर १००, के साथ गठित सरकारी श्रिधिन्त्वना की धारा 7 के श्रधीन गठित धम न्यायनणा, राष्ट्रका हो १८४४५५ व उस म सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मान में देने हेत् निर्देश्य करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुन्यान प्रधान सम्बन्धित है —

क्या श्री बलबीर सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक हैं। यदि नहीं, तो वह जिस सहत का हकदार है ?

ग्रस्सः एमः श्रयवालं,

उप-सचित्र, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।